मिलान

> ज्ञानार्जन एक निरंतर प्रक्रिया है।
> पूर्वज्ञान के साथ आगे की पढाई का संबंध जोड़ने से अधिगम प्रक्रिया रोचक तथा आसान बनती है। यह प्रक्रिया खेल के जारिए हो तो बच्चे सक्रिय होंगे।
> पेश है 'मिलान', ज़रा इससे गुज़रें।

कक्षा के बच्चों की संख्या के अनुसार पाँच-छह के दल बनाने हैं।

इसके लिए यह प्रक्रिया चलाएँ।

- बच्चों की संख्या के अनुसार शब्दों के नुस्खे बनाएँ।

इसके लिए

- परिवार
- रंग
- जानवर
- सब्जी

आदि आशयों को लें। जैसे कि,

परिवार से संबंधित शब्द

माता, पिता, भाई, बहन, दादा, दादी...

रंग से संबंधित

काला, पीला, नीला, लाल, सफेद...

- पर्याप्त संख्या के नुस्खे बनाएँ।
- ये नुस्खे एक डिब्बे में भरें।
- बच्चों को गोलदायरे में खड़े होने का निर्देश दें।
- डिब्बे को क्रम से हस्तांतरण करने का निर्देश दें।
- अध्यापिका पीछे मुड़कर खड़ी हो जाए।
- खेल के बीच अध्यापिका सीटी बजाए।

- उस वक्त डिब्बा जिसके हाथ में हो, वह उससे एक नुस्खा निकालकर ज़ोर से पढ़े और गोलदायरे से बाहर हो जाए।
- आखिरी बच्चे तक यह खेल ज़ारी रखें।
- नुस्खे के शब्दों से परिचय पाने का अवसर दें।
- प्रत्येक आश्य के अनुसार बच्चों को इकट्ठे होने का निर्देश दें।
- प्रत्येक दल को एक-एक कागज़ दें, दल के सदस्यों के नाम लिखने का निर्देश दें।

यहाँ आकलन के दो मौके है, जिससे आप अपने (नए) बच्चों के स्तर पहचान सकते हैं।

1. नुस्खे के शब्दों को पढ़ते समय
2. आश्य समझकर दल में मिलते समय।

इस प्रक्रिया के ज़रिए आप अपने बच्चों के स्तर पहचानें और लिखें।

(A)	(B)	(C)
खुद पढ़ता है और आश्य समझकर दल चुन लेता है।	खुद पढ़ता है लेकिन आश्य समझकर दल चुनने में दूसरों की मदद लेता है।	पढ़ने और दल चुनने में दूसरों की मदद लेता है।

इकाई 1

बारिश का एहसास, वह कितना सुहाना है! बारिश ऐसा शृंगार करके आती है कि हर किसी का मन हर लेती है। धरती को पुलकित कर देती है। इसका अभाव कितना खतरनाक है।

बारिश की मौजूदगी और बेमौजूदगी का एहसास दिलाने वाली कविता और चित्रकहानी इस इकाई की खूबियाँ है। सृजनात्मकता के वास्ते पंक्तियाँ जोड़ने, विवरण तैयार करने, पोस्टर से परिचित होने, कोलैश तैयार करने आदि का मौका यहाँ मिलता है।

'बादलदानी' नामक बालगीत में बारिश के सौंदर्य के साथ-साथ उसकी ज़रूरत पर भी प्रकाश डाला गया है। पूरी धरती बारिश केलिए तरसती है और बादल के आने से महककर झूम उठती है। यह कविता जग जीवन में बारिश की हैसियत को साफ-साफ दिखाती है।

'बारिश कैसे मिली' चित्रकहानी बारिश के न मिलने से तड़पने वालों की उम्मीद की है। जो बेसब्र होकर उनकी तलाश में निकलते है।

उम्मीद है, इस इकाई से बच्चों में प्राकृतिक संपदाओं का सही इस्तेमाल करने तथा सहजीवों के प्रति अनुताप प्रकट करने की भावना पैदा होगी...

इकाई रूपरेखा

आशय/धारण/प्रोक्ति/भाषा तत्व	गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
पानी जीवन का आधार है।	चित्र वाचन	चित्रवाचन करके आश्य का मौखिक प्रस्तुतीकरण करता है।
बालगीत प्रकृति के विभिन्न पहलूओं का चित्रण बालगीतों में है।	बालगीत का वाचन तालयुक्त आलापन दृश्याभास	बालगीत का ताल लय के साथ आलाप करता है। आश्य समझकर दृश्याभास करता है।
तुकांत तथा आलंकारिक शब्द बालगीतों का सौंदर्य बढाते है।	बालगीत के तुकांत शब्दों को पहचानना। तुकांत पंक्तियों को चुनकर लिखना।	तुकांत शब्दवाली पंक्तियों को चुनकर लिखता है।
कवितांश में आश्य, ताल तथा तुकांत, शब्दयुक्त पंक्तियाँ जोड़ सकता है।	कवितांश में पंक्तियाँ जोड़ना।	कवितांश के साथ आश्य, ताल तथा तुकांत शब्दयुक्त पंक्तियाँ जोड़ता है।
चित्र कहानी चित्रकहानी की भाषा तथा चित्रण रोचक है। पोस्टर के ज़रिए संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत कर सकता है।	चित्र कहानी का वाचन विश्लेषण पोस्टर का वाचन विश्लेषण	चित्रकहानी पढ़कर विवरण तैयार करता है। पोस्टर का आश्य मौखिक रूप से प्रस्तुत करता है।
कोलैश कोलैश आशयों को क्रियात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है।	कोलैश तैयार करना।	आशयानुकूल कौलैश तैयार करता है।

मोड्यूल 1

आशय / धारण : पानी जीवन का आधार है।

समय :

सामग्री :

पन्ना १ लेने का निर्देश दें।

चित्र से गुज़रने का पर्याप्त समय दें।

पूछें।

- चित्र क्या कह रहा है?
  बच्चों को कहने का अवसर दें।
- यहाँ पेड़ सूखा हुआ है। कैसे?
  बच्चों की प्रतिक्रिया।
- हिरन, चिड़िया, खरगोश, मेंढक और मोर क्या देख रहे हैं ?
  बच्चों को कहने का अवसर दें।
- क्या वे बादल से कुछ माँग रहे हैं?
  बच्चे बताएँ।
- 'ऊपर से जो बरसता है वह सिर्फ पानी नहीं है, वह जीवन है' ऐसा क्यों कहा गया है?
  चर्चा
- चित्र का इन पंक्तियों से क्या संबंध है?

कहें

चलो, देखते है।

पन्ना १० लें।

पूछें

यह चित्र कैसा लगता है?

पन्ना १ के चित्र से क्या इसकी कोई समानता है?

बच्चे बताएँ।

चित्र और पंक्तियों में क्या संबंध होगा?

'बादल दानी' कविता की पहली १ पंक्तियाँ पढ़ें।

- बच्चे वैयक्ति क रूप से पढ़े।
- पढते समय पन्ना 24, 25 के 'मदद ले' से शब्दों का परिचय पाएँ।
- बच्चों से छोटे-छोटे दलों में पंक्तियों के आशय की चर्चा करवाएँ।

पूछें

■ 'चम चम चमकी बिजली रानी
उठी गगन में घटा सुहानी'

यह किसका लक्षण है?

इन पंक्तियों में वर्णित प्रकृति की विशेषताएँ किसकी सूचना देती है?

■ 'प्यासी चिड़िया, प्यासी गैया,
खाली है सब ताल-तलैया,
सूखे घाट पडी है नैया,
हुई मछलियों को हैरानी'

- बादल के न बरसने से यहाँ
कौन-कौन परेशान हैं?

■ बारिश के न आने से और
कौन-कौन परेशान होते है?

पन्ना ।। की 'सागर से भर-भर' से लेकर 'खूब झमाझम बरसो पानी' तक की पंक्तियाँ पढ़ने का निर्देश दें।

- बच्चे वैयाक्ति रूप से पढ़ें।
- पढ़ते समय पन्ने 24, 25 के कोश की मदद लें।
- छोटे दलों में चर्चा करने का अवसर दें।
- आप मदद दें।

पूछें

'सागर से भर-भर जल लाते,
गाँव-गाँव में रस बरसाते'

- इन पंक्तियों का क्या मतलब है?
- बादल कहाँ से जल भर लाता है?
- बारिश के आने से धरती पर क्या-क्या बदलाब आते है?

आलापन

चर्चा चलाएँ।

बालगीत को ताल देने का निर्देश दें।

पर्याप्त समय दें।

दलों को बालगीत का ताल-लय के साथ प्रस्तुति का अवसर दें।

दृश्याभास

पूछें

यह गीत कौन गाता होगा?

कहाँ खड़े होकर गाता होगा?

वहाँ कौन-कौन होंगे?

वे क्या-क्या करते होंगे?

वहाँ और क्या-क्या होंगे?

- आप दृश्याभास तक ले जाने योग्य बच्चों की प्रतिक्रियाएँ बोर्ड पर लिखते जाएँ।

प्रत्येक दल को दृश्याभास की तैयारी का मौका दें।

■ पात्रों के चयन के लिए आप प्रत्येक दल में मदद करें।

इसके लिए ऐसे प्रश्न पूछें,

- मेंढक कौन बनेगा?
- बंदर कौन बनेगा?
- पेड, पौधा, फूल आदि कौन-कौन बनेंगे?

■ स्थान, पात्रों के हाव-भाव, क्रिया-कलाप आदि के निर्धारण में आप प्रत्येक दल को मदद दें इसके लिए आप पूछें,

- पौधा कहाँ होगा?
- मेंढक किस तरफ से आएगा और उसकी चाल कैसी होगी?

  ....

  ....

■ प्रत्येक दल में गाने के लिए बच्चों का चयन करें।

■ प्रत्येक दल को दृश्याभास प्रस्तुत करने का अवसर दें।

■ पन्ना 12 स्व-आकलन कार्य करें।

तुकांत शब्दों का परिचय

पन्ना 13 की प्रक्रिया चलाएँ।

'चम चम चमकी बिजली रानी

उठी गगन में घटा सुहानी'

पूछें

- रेखांकित शब्दों में क्या समानता है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया
- 'रानी' 'सुहानी' शब्दों में 'नी' ध्वनि की आवृत्ति है। इस प्रकार समान ध्वनि में समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ चुनें।
- तीन जोड़े लिखें।

आप कहें,

तुकांत शब्द कविता को सुदंर बनाते है।

पन्ना 14 की पंक्तियाँ पढ़ें।

बारिश का / मौसम है / आया , हम बच्चों के / मन को भाया।

आप इन पंक्तियों को बार-बार सुनाएँ। सुनाते समय

- ताल का खूब परिचय कराएँ।

पूछें

ये पंक्तियाँ किसके बारे में है?

बारिश के समय क्या-क्या दिखाई देता है?

- बच्चों की प्रतिक्रिया

  आप पूछते जाएँ और बोर्ड पर पदसूर्य का विकास करें।

	खेत पानी बादल	
ताल तलैया		बिजली
		पेड पौधे
नदी हवा	मोर	मेंढक

- चर्चा

  अब इनकी सहायता से पंक्तियाँ जोड़ने का निर्देश दें।

■ बच्चे वैयक्तिक रूप से पंक्तियाँ जोड़े।

पन्ना 15 लेने का निर्देश दें।

स्व-आकलन कार्य करने का निर्देश दें।

> ज्ञानार्जन में स्व-आकलन की अहम भूमिका है। जहाँ स्व-आकलन होता है, वहाँ ज्ञानार्जन शुरू होता है। यह सिर्फ कक्षाई प्रक्रिया की बात नहीं है, ज़िंदगी की भी है। यहाँ स्व-आकलन के लिए एक सामग्री दी गई है। इसमें विविध भाव वाले तीन चेहरे है। पहला चित्र कुछ और परिमार्जन करने की आवश्यकता को सूचित करता है, दूसरा चित्र संतोष जनक रचना को सूचित करता है और तीसरा बेहतर रचना को सूचित करता है। प्रत्येक आकलन सूची के आधार पर स्व-आकलन कार्य करवाएँ।

बारिश

बारिश का मौसम है आया,
हम बच्चों के मन को भाया।
उमड़-उमड़ के बादल आया,
खूब झमा झम पानी लाया।
ताल तलैया भर भर आया,
मेढ़क ने भी ताल बजाया।
हरा धान खोतों में पाया,
मोर ने भी नाच दिखाया।

- संशोधन कार्य

मोड्यूल २

समयः

आशयः
- चित्र कहानी की भाषा तथा चित्रण रोचक है।
- पोस्टर के ज़रिए संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत कर सकते है।
- कोलैश आशयों को क्रियात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है।

समय :

सामग्री :

पूछेः
- बच्चो, हम बादल दानी से क्या माँग रहे थे?

  बच्चों को कहने का अवसर दें।
- क्यों?

  बच्चों की प्रतिक्रिया।
- अगर बारिश न मिली तो क्या होगा?
- किन-किन पर इसका असर पडेगा?

हम देखें...

पन्ना 16 देखने का निर्देश दें।

पूछेः
- इसके पात्र कौन कौन है?
- बदंर क्यों दुखी है?

  बच्चों की प्रतिक्रिया

पढें...

वैयक्तिक वाचन

छात्रों को कहानी पढ़ने का मौका दें।

पन्ना 24, 25 के शब्दार्थ की मदद लें।

पूछेः
- बगुला और बंदर बारिश की तलाश में क्यों निकले थे?

  बच्चों की प्रतिक्रिया दल में वाचन

छोटे छोटे दलों में वाचन करने का मौका दें।

प्रत्येक दल में जाकर अध्यापिका आवश्यक मदद दें और पूछें

- बादल की तलाश में कौन कौन निकले?
- रास्ते में किन किन से मिले?
- बादल कहाँ फंसा हुआ था?

बच्चों की प्रतिक्रिया

पूछें (पूरी कक्षा में)

- “बादल काँटों में फँसा हुआ है।”

  इसका मतलब क्या होगा?
- आजकल हमारे बादल की हालत क्या है?

- हमारे यहाँ बारिश कब मिलती है?
- क्या पहली जैसी बारिश अब मिल रही है?

बच्चों की प्रतिक्रिया

अध्यापिका अपना अनुभव बतायें।

वक्त वक्त पर मिलनेवाली बारिश के सुहाने अनुभव

- बादल काँटों में फँसा हुआ है।

  यहाँ काँटे से क्या मतलब है?

  बच्चे की प्रतिक्रिया

  पेडों की कटाई

  जंगलों का नाश

  प्रदूषण

  ....

  ....

पूछें -

इन काँटों से बादल को बचाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

चर्चा

पन्ना 20 का कार्य करने का निर्देश दें।

पूछें

बारिश के आने पर प्रकृति में क्या-क्या बदलाव आता है?
चर्चा
आप सूचीबद्ध करें
विवरण वैयक्तिक रूप से पाठ्य पुस्तक में लिखने का अवसर दें।
दो-तीन की प्रस्तुति।
छोटे-छोटे दलों में परिमार्जन करने का अवसर दें।
हर एक दल प्रस्तुत करें।
अध्यापिका अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत करें।
संशोधन कार्य चलाएँ।

पन्ना 21 का स्व-आकलन कार्य करें।
इसके लिए प्रत्येक बिंदु पर चर्चा चलाँए।
जैसे

- "शीर्षक आगे पढ़ने की प्रेरणा देता है।" से क्या मतलब है?

■ शीर्षक की क्या विशेषताएँ है?

- विषय से संबधित हो,
- आकर्षक हो,
- आगे पढ़ने की प्रेरण देनेवाला हो,

■ "बारिश के आगमन की सूचना है।" से क्या तात्पर्य है?

पन्ना 22 लेने का निर्देश दें।

पूछे: ● यह चित्र हमसे क्या कह रहा है?

(पोस्टर का चित्र दिखाकर)

बच्चों को बताने का अवसर दें।

● चित्र में क्या क्या है?
● यहाँ बरसती हुई हर एक बूँद कहाँ जा रही है?
● यहाँ दिखाए हाथों के चित्र से क्या मतलब है।

पोस्टर का वाचन करायें।

'बूँद बूँद नहीं बरतेंगे,
तो बूँद बूँद को तरसेंगे।

पूछें

बिना बेकार किए हर एक बूँद हम कैसे बरतेंगे?

बच्चों की प्रतिक्रिया

पानी का पूरा का पूरा सही इस्तेमाल हम कैसे कर सकते है?

इसके लिए हम क्या क्या कर सकते हैं?

बरतन धुले पानी से पौधा सींचना। कपडे धुले पानी से आँगन सींचना। सीधे नल से न लेकर बाल्टी में भर पानी का इस्तेमाल करना ....

वर्ग पहेली

देखें पन्ना 23

पूछें यहाँ किन-किन के चित्र है?

बच्चों को किताब में लिखने को कहें।

यहाँ किन किन को नीचे की ओर इशारा किया गया है?

किन किन को दायीं और इशारा किया गया है?

सूची तैयार करने का निर्देश दें।

लिखने का निर्देश दें

चित्र की क्रम संख्या के अनुसार चित्रों को खभों में बाँटें।

क्रम संख्या	नीचे की ओर	क्रम संख्या	दाईं ओर

सूची के अनुसार पहेली बुझायें।

दाईं ओर	नीचे की ओर
2 गाय	1 हिरण
3 खरगोश	4 शेर
5 बंदर	5 बकरी
8 हाथी	6 भालू
7 बिल्ली	

हम भी बनायें एक वर्गपहेली।

अध्यापिका छात्रों को वर्गपहेली बनाने का निर्देश दें।

- क्या सिर्फ जानवरों के नाम तक ही आप की छूट है।